



DR. MANMOHAN MAHAPATRA (POSTHUMOUS)

Dr. Manmohan Mahapatra was a renowned Odia filmmaker, director, producer and writer.

2. Born on 10th November, 1951 in Khordha, Odisha, Shri Mahapatra, after his graduation, joined the Film and Television Institute of India (FTII), Poona. After successfully completing film direction course at the FTII, Poona, he made his first feature film,"Seeta Raati" in Odia language, which was highly acclaimed. Since then, he has made about twelve feature films, some short films, as well as tele serials and telefilms. Most of his films have been acclaimed and awarded, some of them have also been shown in the Indian Panorama section of International Film Festival of India (IFFI) as well as in festivals abroad, at U.S.A, Italy, Germany.

3. Dr. Mahapatra directed a number of Odia films including " Seeta Raati" (National Award Winner, 1982); "Neeraba Jhada" (National Award Winner, 1984); "Klanta Aparanha" (National Award Winner, 1985); "Majhi Pahacha" (National Award Winner, 1987); "Nisidhaaswapna" (National Award Winner, 1988); "Trisandhya" (Orissa State Film Awards, 1987); "Kichi Smruti Kichianubhuti" (National Award Winner, 1989); "Andha Diganta" (National Award Winner, 1990); "Agniveena" (Orissa State Film Awards, 1991); "Vinna Samaya" (National Award Winner, 1993); and "Muhurta" (Orissa State Film Awards, 2002).

4. Dr. Mahapatra directed several documentaries including Voices of Silence, (1981); Konark - The Sun Temple (1984); Odissi Dance -- A Glimpse Panorama (1988); Folk Dances of Orissa (1990); The Journey (2012). He has directed several Telefilms such as 'Raja Saheb' (Hindi) (1993) (For National Network of Doordarshan); 'Antaheen Pratiksya' (Hindi) (1994) (For National Network Doordarshan; 'Intezar' (Hindi) (1995) (For National Network of Doordarshan); 'Kuch Yadein' (Hindi) (1996) (For National Network of Doordarshan); 'Raktatirtha Eram' (Odia) (1997) (For National Network of Doordarshan); 'Ruchi' (Odia) (1998) (For HRD, New Delhi); 'Nua Sakala (Odia) (2000) (For HRD, New Delhi); 'Paduka Puja' (Odia) (2000) (For Doordarshan Kendra, BBSR); 'Sahski (Odia) (2003) (For HRD, New Delhi). Shri Mahapatra has also produced various telefilms such as "Neeraba Jhada" (Feature Film in Oriya) "Nisidhha Swapna"(Feature film in Oriya) "Anthaheen Pratikshya" (Telefilm produced for Doordarshan / National) "Prathama Pratisruti" (Teleserial produced for Doordarshan/National) "Paduka Puja (Telefilm produced for Doordarshan /Bhubaneswar) "Sakshi" (Telefilm produced for Doordarshan /Bhubaneswar).

5. Dr. Mahapatra received various awards and honours including Rajat Kamal for Seeta Raati, Rajat Kamal for Neeraba Jhada, Rajat Kamal for Klanta Aparanha, Rajat Kamal for Majhi Pahacha, Rajat Kamal for Nisidha Swapna, Rajat Kamal for Kichi Smruti Kichi Anubhuti, Rajat Kamal for Andha Diganta, Rajat Kamal for Vinna Samaya, Rajat Kamal for best Odia Film, Rajat Kamal for best Odia Film and best photography (B/W); Best Director for Trisandhya (1986), Kichi Smruti Kichi Anubhuti (1988), Andha Diganta (1989), Agni Veena (1990); Best Film for Mohan Sundar Deb Goswami Award, Kichi Smruti Kichi Anubhuti (1988), Andha Diganta (1989), Agni Veena (1990), Muhurta (2002); Best Screen Play Writer for Muhurta (2002), Jayadev Award (2001) etc.

6. Dr. Mahapatra passed away on 13th January, 2020.





डॉ. मनमोहन माहापात्रा (मरणोपरांत)

श्री मनमोहन माहापात्रा एक प्रसिद्ध उड़िया फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक थे।

2. उनका जन्म 10 नवंबर, 1951 को खोरड़ा, ओडिशा में हुआ। श्री माहापात्रा ने अपनी स्नातक की पढ़ाई के बाद, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पूना में प्रशिक्षण प्राप्त किया। एफटीआईआई, पूना में फिल्म निर्देशन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, उन्होने उड़िया भाषा में अपनी बहुप्रशंसित पहली फीचर फिल्म ''सीता राती'' बनाई। तब से, उन्होंने लगभग बारह फीचर फिल्में, कुछ लघु फिल्में, टेली धारावाहिक और टेलीफिल्में बनाई हैं। उनकी अधिकांश फिल्मों की प्रशंसा की गई है और उनके लिए उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया है। उनमें से कुछ को भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के भारतीय पैनोरमा खंड के साथ–साथ संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, जर्मनी के फिल्म महोत्सवों में भी दिखाया गया है ।

3. श्री माहापात्रा ने ''सीता राती'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1982); ''नीरबा झाड़ा'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1984); ''क्लांता अपारन्हा'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1985); ''माझी पहाचा'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1987); ''निषिद्ध स्वप्न'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1988); ''त्रिसंध्या'' (उड़ीसा राज्य फिल्म पुरस्कार, 1987); ''किछि स्मृति किछि अनुभूति'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1989); ''अंध दिगंत'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1990); ''अग्निवीणा'' (उड़ीसा राज्य फिल्म पुरस्कार, 1991); ''विन्न समय'' (राष्ट्रीय पुरस्कार, 1993); और ''मुहूर्त्'' (उड़ीसा राज्य फिल्म पुरस्कार, 2002) सहित कई उड़िया फिल्मों का निर्देशन किया।

4. श्री माहापात्रा ने 'वॉयस ऑफ साइलेंस', (1981); कोणार्क – द सन टेम्पल (1984); ओडिसी डांस–ए ग्लिंप्स पैनोरमा (1988); उड़ीसा के लोक नृत्य (1990); द जर्नी (2012) सहित कई वृत्तचित्रों का निर्देशन किया है। उन्होंने कई टेलीफिल्म्स का निर्देशन किया है, जैसे 'राजा साहब' (हिंदी) (1993) (दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए); 'अंतहीन प्रतीक्षा' (हिंदी) (1994) (दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए), 'इंतजार' (हिंदी) (1995) (दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए), 'कुछ यादें' (हिंदी) (1996) (दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए), 'रक्ततीर्थ ईराम' (उड़िया) (1997) (दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए); 'रुचि' (उड़िया) (1998) (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के लिए); 'नुआ स्काला' (उड़िया) (2000) (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के लिए); 'पादुका पूजा' (उड़िया) (2000) (दूरदर्शन केंद्र, भुवनेश्वर के लिए); 'सहस्की' (ओडिया) (2003) (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के लिए)। श्री माहापात्रा ने ''नीरबा झाड़ा'' (उड़िया फीचर फिल्म), ''निषिद्ध स्वप्न'' (उड़िया फीचर फिल्म), ''अंतहीन प्रतीक्षा'' (दूरदर्शन/राष्ट्रीय के लिए निर्मित धारावाहिक), ''प्रथम प्रतिश्रुति'' (दूरदर्शन/राष्ट्रीय के लिए निर्मित धारावाहिक), ''पादुका पूजा'' (दूरदर्शन/भुवनेश्वर के लिए निर्मित टेलीफिल्म), ''साक्षी'' (दूरदर्शन/भुवनेश्वर के लिए निर्मित टेलीफिल्म) जैसी अनेक टेलीफिल्मों का भी निर्माण किया।

5. श्री माहापात्रा को विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए जिनमें 'सीता राती' के लिए रजत कमल, 'नीरबा झाड़ा' के लिए रजत कमल, 'क्लांत अपारन्हा' के लिए रजत कमल, 'माझी पहाचा' के लिए रजत कमल, 'निषिद्ध स्वप्न' के लिए रजत कमल, 'किछि स्मृति किछि अनुभूति' के लिए रजत कमल, 'अंध दिगंत' के लिए रजत कमल, 'विन्न समय' के लिए रजत कमल, सर्वश्रेष्ठ उड़िया फिल्म के लिए और सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफी (श्वेत/श्याम); त्रिसंध्या के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (1986), 'किछि स्मृति किछि अनुभूति' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (1988), 'अंध दिगंत' (1989) के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, 'अग्नि वीणा' (1990) के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक; 'किछि स्मृति किछि अनुभूति' (1988), 'अंधदिगंत' (1989), 'अग्नि वीणा' (1990), 'मुहूर्त्त' (2002) के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म का मोहन सुंदर देब गोस्वामी पुरस्कार; 'मुहूर्त्' (2002) के लिए बेस्ट स्क्रीन प्ले राइटर, जयदेव अवार्ड (2001) आदि शामिल हैं।

6. श्री माहापात्रा का 13 जनवरी, 2020 को देहावसान हो गया।